AGRICULTURE UNIVERSITY,
JODHPUR
JODHPUR 342304, Rajasthan, India
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

Telefax
0291 2570710(O)
0291-2570711
E-mail:
vcunivag@gmail.com

डॉ एम एल मेहरिया,
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक 15.02.2020

प्रेस नोट

कृषि उच्च शिक्षा में जागरूकता हेतु एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा युवाओं को कृषि उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करने बाबत् भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत् एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जोधपुर जिले के समस्त उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य प्रतिभागी रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के पूर्व कुलपति एवं कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के पूर्व अध्यक्ष डॉ अमर सिंह फरौदा ने कृषि उच्च शिक्षा में युवाओं का रूझान बढाने का आवाह्न करते हुये कहा कि आने वाले समय में बढती आबादी को खाद्यान्न उपलब्ध करवाना एक बडी चुनौती होगी क्योंकि कृषि योग्य भूमि सिकुडती जा रही है, अतः खाद्यान्नों का उत्पादन, परिरक्षण एवं प्रसंस्करण आने वाले समय में खाद्यान्न उपलब्ध करवाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगें। विशिष्ठ अतिथि प्रतिष्ठित समाज सेवी एवं उद्यमी श्री जसवंत सिंह कच्छवाहा ने कृषि समृद्धि के लिए विचार व्यक्त करते हुये कहा कि कृषि में तकनीक का इस्तेमाल किसानों की आमदनी में इजाफा करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। विशिष्ठ अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), जोधपुर श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान ने कृषि की महत्ता बताते हुए कहा कि मानव की प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति कृषि के बिना अकल्पनीय है और इसका महत्व हमेशा बना रहेगा। अतः युवाओं को कृषि उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करने में विभाग अपना पूर्ण योगदान देगा। कार्यशाला की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रोफेसर (डॉ) बी. आर. चौधरी द्वारा की गई। कुलपति डॉ चौधरी ने प्रतिभागियों का आवाह्न करते हुये कहा कि भविष्य में कृषि में विविधिकरण एवं वातावरण अनुकूल नई फसलों का समावेश लाभदायक कृषि के लिए मील का पत्थर साबित होगें। कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के अधिष्ठाता एवं संकायाध्यक्ष डॉ बी. एस. भीमावत ने कृषि शिक्षा में युवाओं हेतु प्रचुर सम्भावनाएं बताते हुये कृषि उच्च शिक्षा में प्रवेश की विभिन्न प्रक्रियों के बारे में संक्षेपित ब्यौरा दिया। कार्यशाला समन्वयक डॉ कृष्णा सहारण, सहायक आचार्य ने कृषि क्षेत्र के राष्ट्र के सकल घरेलु उत्पाद में योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यशाला से सम्बन्धित विभिन्न विषयों जैसेः–कृषि में स्नातक, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी व कृषि छात्र–छात्राओं हेतु उपलब्ध छात्रवृतियों और रोजगार एवं व्यवसाय के विभिन्न अवसरों पर डॉ विकास पावडिया सहायक आचार्य, डॉ सौरभ जोशी, सहायक आचार्य, डॉ उमा नाथ शुक्ला, सहायक आचार्य एवं डॉ दमाराम, सहायक आचार्य ने व्याख्यान दिये।

(डॉ एम एल मेहरिया)